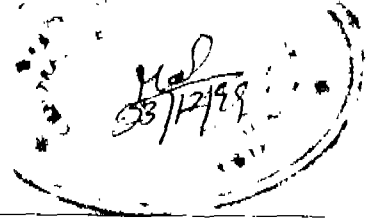




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड—1  
PART I—Section—1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 229 ]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 16, 1999/आश्विन 24, 1921

No. 229 ]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 16, 1999/ASVINA 24, 1921

## स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

( स्वास्थ्य विभाग )

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 1999

### नियम

सं. ए. 12011/2/99.-सी.एच.एस.-1.—मंत्रालयों/संबंधित विभागों और दिल्ली नगर निगम की सहमति से निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 2000 में आयोजित की जाने वाली एक प्रतियोगिता परीक्षा सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा के नियम सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- रेलवे में सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी।
- भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद।
- केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में कनिष्ठ वेतनमान पद।
- दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा अधिकारी।

1. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा परिशिष्ट-1 में निर्धारित किए गए नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी।

परीक्षा की तारीख ( तारीखें ) और स्थान आयोग द्वारा नियत किए जायेंगे।

2. उम्मीदवार उपयुक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक अथवा एक से अधिक में भाग ले सकते हैं। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेंगे उन्हें अपने विस्तृत आवेदन प्रपत्र में उन सेवाओं/पदों को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना होगा जिनके लिए वे त्रयीयता क्रम में विचार करने के इच्छुक हों। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे जितनी त्रयीयता चाहें दे सकते हैं जिससे

कि नियुक्ति करते समय उनकी त्रयीयता पर उनके रैंक के अनुसार उचित विचार किया जा सके।

**विशेष ध्यान दें :** (i) रेलवे में सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी के पद के इच्छुक उम्मीदवारों को भी अपने विस्तृत आवेदन प्रपत्र में रेलवे के अधिकतम पांच जोन का विकल्प त्रयीयता क्रम में देना होगा। विभिन्न रेलवे जोनों में उसका आबंटन करते समय इन त्रयीयताओं को ध्यान में रखा जायेगा लेकिन उसका यह अर्थ नहीं है कि उम्मीदवार को केवल इन रेलवे जोनों में से केवल एक ही आबंटित किया जायेगा। चूंकि यह सेवा सारे देश के लिए है इसलिए उम्मीदवार को भारतीय रेल के किसी भी जोन में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

**विशेष ध्यान दें :** (ii) उम्मीदवार द्वारा अपने विस्तृत आवेदन प्रपत्र में पहले से दी गई त्रयीयताओं को बढ़ाने/बदलने के किसी भी अनुरोध को आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

3. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में विनिर्दिष्ट की जायेगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए सरकार द्वारा नियत की गई रिक्तियों के अनुसार आरक्षण किया जायेगा।

### 4. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रीयता

उम्मीदवार को या तो :—

- (1) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (2) नेपाल की प्रजा, या
- (3) भूटान की प्रजा, या
- (4) ऐसा निम्नलिखित श्रेणी, जो भारत में स्थाई रूप में रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

- (5) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में अस्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, (भूतपूर्व तंजानिया और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जॉर्जिया, मलावी, जेरे और इथोपिया और वियतनाम से आया हो :

परन्तु (2), (3), (4) और (5) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिये; परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है; परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जायेगा।

5. (क) आयु सीमा : इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी, 2000 तक 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी, 1968 के पहले का नहीं होना चाहिये।

(ख) ऊपरी आयु सीमा में निम्न प्रकार छूट प्राप्त है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (2) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू और कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (3) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो अधिकतम 10 वर्ष तक;
- (4) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी अन्य देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए हों तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों ;
- (5) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी अन्य देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए हों तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हों ;
- (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों और आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 2000 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर, अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें ये भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 2000 से एक वर्ष

के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ;

- (7) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों और आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 2000 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों में कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें ये भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 2000 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ;
- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम पांच वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के पांच वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 2000 तक पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल पांच वर्ष से आगे बढ़ाया गया है तथा जिसके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होगा कि सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन हो जाने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा ;
- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम दस वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के पांच वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 2000 तक पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल पांच वर्ष से आगे बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होगा कि सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन हो जाने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा ;
- (10) अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जो उन पर लागू होने वाले आरक्षण के पात्र हैं, अधिकतम तीन वर्ष तक ;
- (11) दृष्टिहीन, मूक-बधिर एवं विकलांग उम्मीदवारों के लिए अधिकतम 10 वर्षों तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 15 वर्ष तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए 13 वर्ष)।
- (12) रेलवे के कुछ तदर्थ डाक्टरों द्वारा दायर की गई रिट याचिकाओं (1986 की रिट याचिका सं. 845 के साथ और 1986 की ही रिट याचिका सं. 1165, 1328, 1619, 1735, 1275, 1457, 1087, 1034, 1263, 1294, 1327, 1349, 1370, 1353, 1400, 1451, 1504, 1564, 1650 तथा 1609 के साथ और 1987 की रिट याचिका

सं. 370, 298 और 73 के साथ तथा 1987 की रिट याचिका सं. 822, 875, 180 और 200 के साथ) के धारे में उच्चतम न्यायालय के दिनांक 24-9-87 के आदेशों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय में 1-10-1984 के बाद तदर्थ आधार पर नियुक्त डाक्टरों की आयु में रेलवे में तदर्थ डाक्टरों के रूप में उनके द्वारा की गई सेवा की समाप्ति तक ही छूट दी जायेगी। इस उपबंध के अंतर्गत ऊपरी आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले तदर्थ डाक्टरों की परीक्षा में प्रवेश के लिए अपने आवेदन-पत्र रेल मंत्रालय के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए। रेल मंत्रालय यह प्रमाणित करेगा कि आवेदन उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार प्रस्तुत किये गये।

**टिप्पणी 1 :** भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथसंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

**टिप्पणी 2 :** नियम 5 (ख)(2) से (11) के अंतर्गत आने वाले वे उम्मीदवार जो कि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं और यदि वे पहले से ही आयु-सीमा में छूट प्राप्त करते हुए सिविल क्षेत्र में कोई सरकारी नौकरी कर रहे हैं, वे आयु-सीमा में छूट के हकदार नहीं हैं।

तथापि, ऐसे भूतपूर्व सैनिकों को, जो केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत किसी सिविल पद पर पहले ही नियमित रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, केन्द्र सरकार के अंतर्गत किसी उच्च पद या सेवा में किसी अन्य रोजगार के लिए भूतपूर्व सैनिकों को यथास्वीकार्य आयु छूट के लाभ की अनुमति दी जाती है।

**टिप्पणी 3 :** अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 5(ख) के किन्हीं अन्य खण्डों अर्थात् जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले व्यक्तियों आदि के अंतर्गत आते हैं, दोनों श्रेणियों के अंतर्गत दी जाने वाली संशुद्धि आयु-सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

**टिप्पणी 4 :** उपर्युक्त नियम 5 (ख)(11) के अंतर्गत आयु में छूट के आवश्यक शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु पात्रता पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को आवंटित संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

**टिप्पणी 1 :** यह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम. बी.बी.एस. परीक्षा दे दी है या जिसने अभी देनी है।

यदि ऐसे उम्मीदवार अन्धया पात्र हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्तु उसका प्रवेश अनन्तिम रहेगा तथा फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जायेगा। उक्त प्रमाण, विस्तृत आवेदन-पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

**टिप्पणी 2 :** उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए वह भी शैक्षिक रूप से पात्र हैं जिन्हें अभी भी अनिवार्य रोटेटिंग इंटरशिप पूरी करनी है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इंटरशिप पूरी करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क अवश्य देना होगा।

8. सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में हों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए, अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो। जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं या जो लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिवर्चन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन दिया है।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने से परीक्षा में बैठने संबंधी अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार के आवेदन-पत्र और उनकी पात्रता को स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश आदि के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए सभी पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। आयोग ने जिस परीक्षा में उन्हें प्रवेश दिया है, उसके प्रत्येक स्तर, अर्थात्—लिखित परीक्षा और साक्षात्कार परीक्षण स्तर पर उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा बशर्ते कि वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। यदि लिखित परीक्षा या साक्षात्कार परीक्षण से पूर्व या बाद में किसी समय सत्यापन करने पर यह पाया जाता है कि वे किसी पात्रता शर्त को पूरा नहीं करते हैं, तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी भी उम्मीदवार को आयोग द्वारा जारी किए गए प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग द्वारा घोषित हो चुका है :—

(1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या

- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति का प्रस्तुत करना, या
- (4) जाली प्रलेखों या फेरबदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना छिपा कर रखना, या
- (6) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अनियमित या अनुसूचित साधन अपनाना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में किसी अन्य प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो।
- (12) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथी ही :—
  - (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा, वह अयोग्य ठहराया जा सकता है और/या
  - (ख) (1) आयोग द्वारा उनको किसी भी परीक्षा या चयन के लिए,
  - (2) केन्द्र सरकार द्वारा, उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए;
  - (ग) स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्र तब तक नहीं दी जाएगी जब कि :—

- (1) उम्मीदवार इस संबंध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर उसको न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा स्वयं अपने विवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के प्रत्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13(1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम में उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि ये उम्मीदवार सेवा/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों :

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के जिन उम्मीदवारों की अनुशंसा आयोग द्वारा परीक्षा के किसी भी चरण में अर्हता या चयन माप दंडों में रियायत/छूट दिए बिना की जाती है, उनका समायोजन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाए उसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के संबंध में उनके साथ कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. इन नियमों में उल्लिखित अन्य उपबंधों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और इनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पदों के लिए बताई गई वरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा।

16. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववृत्त के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इंटरनशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के संबंध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।

17. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियुक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की

शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी।

आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी, इस उद्देश्य के लिए प्रबंध स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय (केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना 1 अनुभाग) निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा तथा संबंधित मंत्रालय द्वारा उम्मीदवार को इसकी सूचना दे दी जाएगी। संबंधित उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के लिए सामान्यतः साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के अगले कार्य दिवस को निर्धारित किया जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार को अपने स्वास्थ्य परीक्षा के बारे में कोई सूचना नहीं मिलती है तो उसे अपना साक्षात्कार व्यक्तित्व परीक्षण पूरा होने के तत्काल पश्चात् स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय में संबंधित अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना चाहिए। संबंधित उम्मीदवार को अपनी स्वास्थ्य परीक्षा के पूरा होने तक दिल्ली में ठहरना होगा। इसलिए उम्मीदवार को इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए तथा स्वास्थ्य परीक्षा की औपचारिकता को पूरा करने के लिए दिल्ली में अपने रहने की व्यवस्था का प्रबंध कर लेना चाहिए। स्वास्थ्य परीक्षा के लिए निर्धारित की गई तारीख को किसी भी परिस्थिति में बढ़ाया/बदला नहीं जाएगा, इसके साथ-साथ स्वास्थ्य परीक्षा की औपचारिकता को पूरा करने के लिए संबंधित उम्मीदवार को कोई यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा।

यह भी उल्लेखनीय है कि साक्षात्कारों के लिए बुलाए गए अभ्यर्थियों की स्वास्थ्य परीक्षा आयोजित करते समय जिन अभ्यर्थियों ने किसी सरकारी अस्पताल अथवा ऐसे परीक्षणों के लिए अधिकृत किसी अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षा की तारीख से बारह महीने पहले ही एक्स-रे परीक्षण करा लिया है, उन्हें एक्स-रे परीक्षण से छूट दी जाएगी।

यह इस शर्त पर भी निर्भर होगा कि पहले कराई गई स्वास्थ्य परीक्षा से इस प्रकार का प्रयोजन पूर्णतया सिद्ध हो रहा है और उस व्यक्ति की पहचान संदेह से परे है अर्थात् यह प्रमाणित किया जाता है कि अन्वर्थी द्वारा प्रस्तुत एक्स-रे रिपोर्ट उसी व्यक्ति की, की गई एक्स-रे जांच की रिपोर्ट है।

यह साबित करने का दायित्व स्वतः अभ्यर्थी पर है कि उसकी एक्स-रे जांच 12 महीने पूर्व की गई तथा वह ऊपर दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार इस जांच से स्वास्थ ठहराया गया।

अभ्यर्थी के स्वास्थ्य के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा मंडल (संबंधित अभ्यर्थी की चिकित्सा परीक्षा का संचालन करने वाला) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

यहां यह कहना समीचीन होगा कि चिकित्सा परीक्षा की औपचारिकतायें पूरी करने की व्यवस्था इस विषय पर जारी किए गए अनूदेशों के अनुसार की जाएगी।

18. कोई भी व्यक्ति :—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जिसका पति या पत्नी कोई जीवित है, वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में करार कर लेता है, या

(ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में कोई करार कर लेता है।

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट है कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से संबन्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों में भर्ती की जानी है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट--II में दिया गया है।

हृदय नारायण यादव, अवर सचिव

**परिशिष्ट-I**

1. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :-

(क) लिखित परीक्षा :—उम्मीदवार दो-दो घंटों की अवधि के निम्नलिखित दो प्रश्न पत्रों में परीक्षा देगा। ये प्रत्येक अधिकतम 200 अंकों के होंगे। दोनों प्रश्न पत्रों में ऐसे प्रश्न होंगे जिसमें विभिन्न विषयों के अंकों का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा :—

प्रश्न पत्र (कोड सं. 1)

अंकों का

प्रतिशत

(1) सामान्य अयुर्विज्ञान जिसमें  
हृदय रोग विज्ञान, तांत्रिक विज्ञान,  
त्वचा-रोगविज्ञान, और मनोरोग  
विज्ञान सम्मिलित हैं। 60 प्रतिशत

(2) शल्य विज्ञान जिसमें कर्ण, नासिका, कंठ, नेत्र विज्ञान, अभिघात विज्ञान और विकलांग विज्ञान सम्मिलित हैं। 40 प्रतिशत प्रश्न पत्र 2 (कोड सं. 2)

(1)	शिशु रोग विज्ञान	20 प्रतिशत
(2)	स्त्री रोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान	40 प्रतिशत
(3)	निरोधक सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान	40 प्रतिशत

(ख) लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त  
उम्मीदवारों की व्यक्तिगत 200 अंक  
परीक्षा

2. दोनों प्रश्न पत्रों में परीक्षा पूर्णतया वस्तुपरक प्रकार (बहुविकल्प प्रकार के उत्तर) की होगी। प्रश्न पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएं) केवल अंग्रेजी में ही तैयार किए जाएंगे।

3. उम्मीदवारों को पेपरों पर अपने ही हाथ से लिखना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में उनके लिए उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के लिए अर्हक अंक नियत कर सकता है।

5. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिए कैल्कुलेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है, अतः उन्हें कैल्कुलेटर परीक्षा भवन के अन्दर नहीं लाना चाहिए।

6. व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में, उनकी सामान्य जानकारी और सक्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सूझ-बूझ की शक्ति, संतुलित विवेचन शीलता, मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की क्षमता, चारित्रिक सत्पिच्छा, स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाना है।

### परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :—

#### I. रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान रु. 8000-275-13500 (संशोधित वेतनमान) है। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित, प्रैक्टिस बंदी भत्ता भी होंगे। फिलहाल ये दर मूल वेतन का 25 प्रतिशत हैं।

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबंधित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हो उनका उपयुक्त वेतनमान ही नियमानुसार प्रारंभिक वेतन दिया जाएगा। दूसरे लोगों को उपयुक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

(ख) उम्मीदवार को दो वर्षों की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा जिसे सरकार द्वारा आवश्यक समझे जाने पर आगे और बढ़ाया जा सकता है। परीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर उम्मीदवार भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में पुष्टि हेतु पात्र हो जाएंगे।

(ग) परीक्षा की अवधि के दौरान परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति भारतीय रेल स्थापन कोड, खंड-1 के नियम 301 (3) की शर्तों के अनुसार दोनों पक्षों में से किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का लिखित नोटिस देकर समाप्त की जा सकती है। किन्तु इस प्रकार के नोटिस की आवश्यकता संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबंधों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई के कारण सेवा में बर्खास्तगी या सेवा से हटाए जाने या मानसिक अथवा शारीरिक अशक्तता के कारण की जाने वाली अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में नहीं होगी।

(घ) उम्मीदवार को रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य होगा।

(च) उम्मीदवार उन्हीं के स्तर के अन्य अधिकारियों पर समय-समय पर लागू छुट्टी के नियमों के अनुसार छुट्टी के हकदार होंगे।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार सारणी निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवारों को परीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, और यदि वह परीक्षा पास नहीं करता है तो उनकी सेवा समाप्त की जा सकती है।

(झ) नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें कि प्रशिक्षण पर, व्यतीत अवधि शामिल है :

परन्तु उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(अ) संगणीनीय सेवा—जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर नियमावली 45 का रेलवे सेवा (पेंशन) नियम, 1993 में निर्धारित शर्त लागू होती है, के उस नियम में निहित उपबंधों के लाभ के पात्र होंगे।

(ट) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से कहीं गई हैं, उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परिशोधित/परिवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेशनों के सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

(ड) उच्चतर ग्रेडों में वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अखसर :

(1) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद चार वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान रु. 10,000-15,000) के पदों पर पदोन्नति के तथा ऊपर (क) में दिए गए प्रतिबंधित प्रैक्टिस बंदी भत्ते के पात्र हैं।

(2) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद 6 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है अथवा सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी तथा प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में 10 वर्ष की नियमित सेवा (जिसमें कम से कम दो वर्ष की नियमित सेवा प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में हो) पूरी कर ली है, वे चिकित्सा अधीक्षकों के पद पर 12,000-16,500 रु. के वेतनमान में पदोन्नति के तथा मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ते के हकदार हैं।

(3) जैसा कि समय-समय पर निर्धारित किया जाता है चिकित्सा अधीक्षक, रु. 12,000-16,500 के ग्रेड में सेवा वर्षों की

संख्या के आधार पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वेतनमान रु. 18,400-22,400) के पद पर पदोन्नति के तथा मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ते के पात्र हैं।

(द) कर्तव्य और दायित्व

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

- (1) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बाड़ों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (2) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (3) वह अपने अधिकारी क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (4) वह सामान विक्रेताओं की जांच करेगा।
- (5) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (6) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो, करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग पत्र तैयार करेगा।
- (7) वह सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

**टिप्पणी 1 :** जब सहा. प्र. चि. अ. किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

**टिप्पणी 2 :** सहा. प्र. चि. अ. को समय-समय पर सौंपे गये अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

## II. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद :—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु. 8000-275-13,500 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रैक्टिस बंदी भत्ता (प्र.ब.भ.) इस समय दर निम्नलिखित मूल वेतन का 25 प्रतिशत है।

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थाई रिक्ति पर अस्थायी किए जाने तक अस्थाई हैसियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना, अस्पताल या औपधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ) परीक्षा की अवधि में और इसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्ते सहित पदोन्नति के अवसर :—

(1) वरिष्ठ वेतनमान :— वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा-सामान्य ड्यूटी उप-संवर्ग में सहायक चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने कनिष्ठ वेतनमान में चार वर्ष की नियमित सेवा की हो, वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति के पात्र होंगे।

वेतनमान : 10,000-325-15,200 निम्नलिखित दरों पर प्रैक्टिस बंदी भत्ता मूल वेतन का 25 प्रतिशत है।

(2) प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा-सामान्य ड्यूटी उप-संवर्ग में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के ग्रेड में 6 वर्ष की नियमित सेवा अथवा सहायक चिकित्सा अधिकारी और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में 10 वर्ष की सम्मिलित नियमित सेवा जिनमें कम से कम 2 वर्ष तक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में सेवा की हो, ऐसे अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के पद पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

वेतनमान : 12,000-325-16,500 मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ता।

(3) प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा (विशेष ग्रेड) :— प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा (12,000-16,500 रु.) के ग्रेड में पांच वर्षों की नियमित सेवा या ग्रुप 'क' सेवा में 14 वर्ष की नियमित सेवा करने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा (एन.एफ.एस.जी.) के पद पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

वेतनमान : 14,300-400-18,300 मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ता।

(4) अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवा :— प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा (एन.एफ.एस.जी.) के पद पर इस ग्रेड में 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके अथवा ग्रुप 'क' सेवा में 17 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने वाले अधिकारी अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के पद पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

वेतनमान : 18,400-500-22,400 रु. तथा मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ता।

(5) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा :— 18,400-500-22,400 रु. के वेतनमान में कार्यरत ऐसे अधिकारी जिन्होंने इस ग्रेड में तीन वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली हो, निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के पद पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

वेतनमान : 22,400-525-24,500 रु. तथा मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ता।

(छ) कार्यस्वरूप :— (1) सहायक चिकित्सा अधिकारी :—

- (i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाड़ों/विभागों के अंतर्गत रोगियों और औपधालय/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और चौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।
- (iv) वे अस्पताल और औपधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।

- (v) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।
- (2) बी. डी. ओ. ग्रेड—सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी :—

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक को निदेशक स्वा. से./अपर निदेशक स्वा. से./उप. नि. स्वा. से. के निदेशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनंदिनी कार्य में वह स्वा. से. नि./अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा/स्वा. स. उ. नि. की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा. से. नि./अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा, स्वा. स. उ. नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।
- (घ) चिकित्सा भंडार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा. से. नि. की सहायता करेगा।
- (ङ) वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी—प्रभारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी 50 से कम पलंगों वाले किसी फैक्ट्री अस्पताल और वहां की चिकित्सा प्रतिष्ठान के प्रभारी होंगे।
- (च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों के कारखाना, महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और अनुशंसा करते रहेंगे।
- (छ) नियमानुसार कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (ज) वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी अन्तरंग वाडों, फैक्ट्री हैल्थ क्लिनिक, ऐस्टेट क्लिनिक, ओ.पी.डी. के रोगियों की देखभाल करेंगे तथा ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेंगे जो उन्हें अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी और प्रभारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे जाएंगे।
- (3) उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा और प्रधान चिकित्सा अधिकारी :—

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. से. उप-निदेशक/स्वा. से. निदेशक/अपर स्वास्थ्य सेवा निदेशक के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उसकी सहायता करेगा।
- (ख) प्र. चि. अ.—प्र. चि. अ. 50 या इससे अधिक पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।
- (ग) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।
- (घ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (ङ) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए कार्य भी करेंगे।
- (च) प्रधान चिकित्सा अधिकारी अन्तरंग वाडों, फैक्ट्री हैल्थ क्लिनिक, ऐस्टेट हैल्थ क्लिनिक, ओ. पी. डी. में काम

करने के साथ-साथ ऐसे अन्य कार्य भी करेंगे जो उन्हें अस्पताल के प्रभारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे जाएंगे।

- (4) अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं :—

- (क) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा
- अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा की कार्य करने में, उनके निदेशानुसार उनकी सहायता करेगा।
- (ख) निदेशक स्वास्थ्य सेवा के छुट्टी पर रहने या दौरे आदि पर जाने से उनकी अनुपस्थिति में डी.जी.ओ.एफ. के आदेशानुसार अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवा, निदेशक स्वास्थ्य सेवा के रूप में कार्य करेंगे।
- (5) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा :—
- (क) चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना निदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्राविधिक समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रण प्राधिकारी—कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का वह उपयोग करेगा।
- (ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।
- (घ) संघ लोक सेवा आयोग मामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- (ङ) मामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।
- (च) वे स्वास्थ्य सेवा अपर निदेशक, उप निदेशक तथा सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और सभी प्रधान चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों तथा सहायक चिकित्सा अधिकारियों की रिपोर्ट की पुनरीक्षा करेंगे।

### III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पद

- (क) पद अस्थायी हैं किन्तु अनिश्चित काल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप “क” वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परीक्षा के अधीन रहेंगे। वह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक से घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको स्थायी बनाया जाएगा।
- (ख) उम्मीदवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औपधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ आदि, लक्षदीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक-तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।



- (ग) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के चिकित्सा अधिकारी को रु० 8,000-275-13,500 का वेतनमान देय होगा। प्रैक्टिस बंदी भत्ता, मकान किराया भत्ता आदि जैसे अन्य भत्ते और प्रोन्नति के अवसर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 1996 के उपबंध तथा समय-समय पर जारी सरकार के आदेशों और निर्देशों के अनुसार दिए जाएंगे।

#### IV. चिकित्सा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम

(1) वर्ग "क" का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथाशीघ्र स्थायी हो सकता है। वेतनमान रु० 8,000-275-13,500 तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित भत्ता (एन.पी.ए.)।

(2) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षाधीन अवधि के संतोषजनक समापन पर वह तब तक अस्थाई पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थाई नहीं किया जाता है।

(3) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पेंसरी मातृ और शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में की जा सकती है।

(4) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(5) परिवीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी हैसियत से नियोजन अवधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार है।

उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की संभावनाएं जिनमें वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलित हैं, भर्ती विनियमों के उपबंधों के अनुसार होंगे।

हृदय नारायण यादव, अवर सचिव

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th October, 1999

#### RULES

**No. A. 12011/2/99-CHS.**—The rules for a Competitive Examination—Combined Medical Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 2000 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned and the Municipal Corporation of Delhi published for general information.—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.
- (ii) Junior Scale Posts in Indian Ordnance Factories Health Service.
- (iii) Junior Scale Posts Central Health Service.
- (iv) Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules

The date(s) on which and the place(s) at which the examination will be held shall be fixed by the Commission

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. A candidate who qualifies on the results of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application form the services/posts for which he wishes to be considered in the order of preferences. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in order of merit, due consideration can be given to his preference when making appointment.

N.B. (i) Candidates for the posts of Asstt. Divisional Medical Officer in the Railways will also be required to give their option in the detailed application form for not more than five Zonal Railways in order of preference. While making their allocation to the various Zonal Railways, these preferences shall be taken into consideration but it does not mean that the candidate shall be allocated to one of these Railways only. As the service is meant to cover the entire country, a candidate is transferable to any Zone of the Indian Railways

N.B. (ii) No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in the detailed application form will be entertained by the Commission

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, and the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government

4. A candidate must be either :

- (i) a Citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or from Vietnam with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose

favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5 (a) Candidate for this examination must not have attained the age of 32 years as on 1st January, 2000, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1968.

(b) The upper age limit is relaxable as follows:—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- (ii) upto a maximum of five years if a candidate has ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (iii) upto a maximum of ten years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and had ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.
- (v) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe.
- (vi) upto a maximum of five years in the case of Ex-Servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years' Military Service as on 1st January, 2000 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 2000 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency), or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (vii) upto a maximum of ten years in the case of Ex-Servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years' Military Service as on 1st January, 2000 and have been released (i) on

completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 2000 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment and who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

- (viii) upto a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 2000 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil Employment and that they will be released on three month's notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (ix) upto a maximum of ten years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 2000 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issue a certificate that they can apply for Civil Employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (x) upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.
- (xi) upto a maximum of ten years (15 years for SC/ST and 13 years for OBC) in the case of blind, deaf, mute and orthopaedically handicapped candidates.
- (xii) The ad hoc Doctors appointed after 1-10-1984 in the Ministry of Railway will be granted relaxation in the age to the extent of the period of service rendered by them as ad hoc Doctors in Railways, in the light of the Supreme Court's orders dated the 24th September, 1987 on the Writ Petitions (Nos. 822, 875, 180 and 200 of 1987 with Nos. 370, 298 and 73 of 1987 with Nos. 1165, 1328, 1619, 1735, 1275, 1457, 1087, 1034, 1263, 1294, 1327, 1349, 1370, 1353, 1400, 1451, 1504, 1564, 1650 and 1609 of 1986 and with no. 845 of 1986) filed by some ad hoc Doctors of the Railways. The ad hoc Doctors claiming the relaxation in upper age limit under this provision should

submit their applications for admission to the examination through the Ministry of Railways who will certify that the applicants are covered by the orders of the Supreme Court.

NOTE I The term Ex-servicemen will apply to the persons, who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE II Candidates falling under Rule 5(b)(ii) to (xi) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Government job on civil side after availing of the age concession.

The Ex-servicemen who have already secured regular employment under the Central Govt. in a civil post are, however, permitted the benefit of age relaxation as admissible to Ex-servicemen for securing another employment in any higher post of service under the Central Government.

NOTE III Candidates belonging to Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 5(b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State of J&K etc. will be eligible for grant of cumulative age relaxation under both the categories.

NOTE IV Notwithstanding the provision of age relaxation under Rule 5(b)(xi) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically handicapped candidates by the Government.

Save as provided above, the Age-Limit prescribed can in no case be relaxed.

6. A candidate must have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

NOTE 1. A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination alongwith the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the

candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

NOTE 2. A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission with holding permission to the candidates applying for/ appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility condition for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the commission to be guilty of --

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate and/or
  - (b) to be debarred either permanently or a specified period.
    - (i) by the Commission from any examination or selection held by them.
    - (ii) by the Central Government from any employment under them, and
  - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13(i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as

disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) Candidates belonging to the SCs or the STs or the Other Backward Classes may, to the extent the number of vacancies reserved for SCs, STs and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service/posts.

Provided that the candidates belonging to the SCs, the STs and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to any relaxation Concession in the eligibility or selection criteria, at any stage of the examinations shall not be adjusted against the vacancies reserved for the SCs, the STs and the Other Backward Classes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the results.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and preferences expressed by them for various posts.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidates satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defects likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who, after such physical examination, as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed.

Candidates called for the Personality Test by the Commission shall be required to undergo Medical Examination. For this purpose, arrangements will be made by the Ministry of Health and Family Welfare (CHS. I Section), Nirman Bhawan, New Delhi and intimation shall be given by that Ministry to the concerned candidate. The Medical Examination of the concerned candidate will normally be fixed on the next working day immediately after the day of interview/personality test of the concerned candidate. In case a candidate does not receive any

intimation about the arrangements made for his/her Medical Examination before he/she leaves for his/her interview/personality test he/she should contact personally the concerned authority in Ministry of Health and Family Welfare immediately after his/her interview/personality test is over. The concerned candidate may have to stay in Delhi until his/her Medical Examination is over. Therefore, the candidate should take care of this fact and make his/her own arrangements for stay in Delhi for the purpose of completion of Medical Examination formality. No extension/postponement of the date fixed for the Medical Examination shall be allowed under any circumstances. Also, no TA/DA shall be admissible for the purpose of completion of the formality of Medical Examination of the concerned candidate.

It is also stated that while conducting medical examination of the candidates called for the interviews, the candidates who have already undergone X-Ray Examination in a Govt. Hospital or a hospital authorised for such tests in the preceding twelve months as on the date of medical examination shall be exempted from X-Ray test.

This will also be subject to the conditions that the X-Ray Examination performed earlier fully serves the purpose and the identity of the individual is established beyond doubt i.e. it is certified that the X-Ray report produced by the candidate is the report of X-Ray examination performed on the candidate himself/herself.

The onus of proving that the candidate underwent X-Ray Examination in the preceding 12 months and was declared fit on this account, as per guidelines given above is on the candidate himself/herself.

The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.

It is worth mentioning here that the arrangements for completing the formalities of the medical examination will be made as per the instructions issued in this behalf.

#### 18. No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

H. N. YADAV, Under Secy.

## APPENDIX I

I. The scheme of Examination.—The examination will comprise:

- (a) Written Examination : The candidate will take the examination in the following two papers each of two hours duration carrying a maximum of 200 marks. The questions to both the papers will be so designed as to give the following Weightage to different subjects.

Paper I (Code No. 1)	Weightage
(i) General Medicine including Cardiology, Neurology Dermatology and Psychiatry	60%
(ii) Surgery including E. N. T. Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics	40%
Paper II (Code No. 2)	
(i) Paediatrics	20%
(ii) Gynaecology and Obstetrics	40%
(iii) Preventive, Social and Community Medicine	40%

- (b) Personality Test of candidates who qualify in written examination 200 Marks

II. The examination in both the papers will be completely of objective (multiple choice answer) type. The question papers (Test Booklets) will be set in English only).

III. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

IV. The commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

V. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

VI. The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidate's intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below:

### I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways:

- (a) The post is in Group A.—The Scale of the post is Rs. 8,000-275-13,500 (Revised Scale) plus

restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rate at present is 25% of the basic pay drawn.

The candidates will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules and others will be given the minimum of the pay scale mentioned above:

- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of 2 years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probation, candidates will be eligible for confirmation in the junior scale of the Indian Railway Medical Service.
- (c) The appointment of probationers can be terminated by one month's notice in writing on either side during the period of probation in terms of Rule 301 (3) of the Indian Railway Establishment Code, Volume-I. Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of Clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity.
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.
- (e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the rules in force from time to time.
- (h) A candidate will be required to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation and failure to do so shall involve liability to termination of service.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required be liable to serve in any defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person,

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.
- (j) Reckoning Service : The persons who are recruited

under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 45 of Railway Services (Pension) Rules, 1993 are applicable shall be eligible to the benefit of the provisions contained in the rule.

- (k) A candidate will be governed in respect of matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.
- (l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at way side Stations, ADMOs are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.
  - (i) Assistant Divisional Medical Officers with four years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the post of Divisional Medical Officers (Senior Scale of Rs. 10,000-15,200) plus restricted non-practising allowances as given in (a) above.
  - (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with six years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis or on completion of 10 years regular service as Assistant Divisional Medical Officer and Divisional Medical Officers/Senior Medical Officer of which at least two years regular service shall be as Divisional Medical Officer/Senior Medical Officer are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 12,000-16,500 plus non-practising allowance at 25% of basic pay drawn.
  - (iii) Depending upon the number of years service in the grade of Rs. 12,000-16,500 as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the post of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 18,400-22,400 plus non-practising allowance at the rate of 25% of basic pay drawn.
- (n) Duties and Responsibilities :
  - Assistant Divisional Medical Officers:
  - (i) He will attend the indoor wards, and out patient department daily and as required.
  - (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance, with the regulations in force.
  - (iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction
  - (iv) He will carry out examination of vendors.
  - (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
  - (vi) He will carry out duties assigned to him specially, if any and will prepare returns and indents connected with his speciality.

- (vii) He will maintain and unkeep in equipments in his charge.

NOTE 1. When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE 2. ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

## II. Post of Assistant Medical Officer in the Indian Ordnance Factories Health Service under the Ministry of Defence :

- (a) The posts are temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 8000-275-13,500 plus non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rate at present is 25% of basic pay.
- (b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent Authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospital or Dispensaries.
- (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (f) Prospects of promotion including pay scale and allowance attached to the higher grades.
  - (i) Sr. Scale—Sr. Medical Officer/Asstt. Director of Health Services—Asstt. Medical Officers in the General duty cadre, who have put in at least four years of regular service in the Junior Scale will become eligible for promotion to the Sr. Scale.

Scale : Rs. 10,000-325-15,200+NPA at the rate of 25% of basic pay.

(ii) Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services—Sr. Medical Officer/Asstt. Director of Health Services in the General duty sub-cadre with six years of regular service in the grade or on completion of 10 years of combined regular service as Asstt. Medical Officer and Sr. Medical Officer of which at least two years shall be as a Sr. Medical Officer, shall become eligible for promotion to the post of Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services.

Scale : Rs. 12,000-375-16,500+NPA at the rate of 25% of basic pay.

(iii) Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services (SG)—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services (Rs. 12,000-16,500) with five

years of regular service at the grade or with fourteen years of regular Group 'A' service shall become eligible for promotion to the post of Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services (NFSG).

Scale : Rs. 14,300-400-18,300+NPA at the rate of 25% of basic pay.

(iv) Additional Director of Health Services Officers holding post in the grade of Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services (NFSG) with three years of regular service in the grade or with seventeen years of regular Group 'A' service will become eligible for promotion in the grade of Addl. Director of Health Services.

Scale : Rs. 18,400-500-22,400+NPA at the rate of 25% of basic pay.

(v) Director of Health Services—Officers in the grade of Rs. 18,400-22,400 with three years of regular service in the grade will be eligible for promotion to the grade of Director of Health Services.

Scale : Rs. 22,400-525-24,500+NPA at the rate of 25% of basic pay.

(g) Nature of Duties.—(1) Assistant Medical Officer:—

- (i) They will attend to indoor patients inwards/departments of hospitals and out patients/dispensaries/out-patient departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulation in force.
- (iii) They will maintain the upkeep of equipment in their charge.
- (iv) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (v) They will perform such other duties as are allotted to them by them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) Assistant Directors of Health Services and Senior Medical Officer:—

- (a) ADHS posted at the Hrs. will assist the DHS/Addl. DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/Addl. DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/Addl. DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores and Equipments.
- (e) SMO—SMOs incharge will be incharge of any factory hospital with less than 50 beds and Medical Estt. there
- (f) As M. O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all Medical matters and make recommendation as considered necessary.

- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) SMOs will attend Indoor wards, Factory Health Clinic, Estate Clinic, OPD and will be required to perform such other duties and may be assigned by PMO and SMO incharge of the hospital.
- (3) Dy. Director of Health Services and Principal Medical Officer—
  - (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/Addl. DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
  - (b) PMO—PMO will be M. O. incharge of any factory, hospital with 50 beds or above and the Medical Estt there.
  - (c) As M. O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
  - (d) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
  - (e) They will perform such other duties as may be laid down under any statute of Govt. orders or delegated to him by the DHS.
  - (f) Principal Medical Officers will attend indoor Wards, Factory Health Clinic, Estate Health Clinic, OPD and will be required to perform such other duties as may be assigned by PMO—in Charge of the Hospital.
- (4) Addl. Director of Health Services:—
  - (a) Addl. DHS will assist the DHS in discharge of the latter's duties in the matter as directed by him.
  - (b) He will act as DHS under order of DGOF in latter's absence on leave, tour etc.
- (5) Director of Health Services:—
  - (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
  - (b) He will work out the plans for implementation of the reports/recommendations accepted by the Govt.
  - (c) As the Controlling Authority he will distribute the personnel according to the requirement of factories.
  - (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
  - (e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation thereon all matters connected with Medical Estt.
  - (f) He will initiate ACR's of Addl. DHS/DDHS and ADHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMOs.

### III. Junior Scale Posts in the Central Health Service:

- (a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed after the satisfactory completion of probation.
- (b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc. Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P & T Department etc. Private Practice of any kind whatsoever including Lab. and consultant Practice is prohibited.
- (c) The scale of pay admissible to the Medical Officer of CHS is Rs. 8000-275-13500. Other allowances like N.P.A., H.R.A., etc and the promotional avenues will be available as per the provision of CHS Rules, 1996 and the orders and instructions issued by the Govt. from time to time.

### IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi:

- (i) The posts are temporary in category 'A' but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 8000-275-13500 plus restricted nonpractising allowance (NPA) as per orders in force from time to time.
- (ii) The candidate will be on probation for a period of one year from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (iii) The candidate can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospital/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc.
- (iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserve the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provision of the Recruitment regulations.

H.N. YADAV, Under Secy.